भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2738

04 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- रोपण फसलों के लिए स्वच्छ रोपण सामग्री

2738. कैप्टन बृजेश चौटाः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रोपण फसलों के लिए स्वच्छ रोपण सामग्री तथा वर्तमान वैज्ञानिक योजना और क्षेत्रीय स्थिति की समीक्षा की है और यदि हाँ, तो दक्षिण कन्नड़ सहित कर्नाटक के लिए तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान क्षेत्र, किसानों, निधि, सुविधाओं, प्रदर्शनों और वास्तविक परिणामों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इकाई-लागत, फसल रोगों का निदान, विस्तार, इनपुट-आपूर्ति और कार्यान्वयन संबंधी कमियों का ब्यौरा क्या है, और

(घ) वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुरूप पर्याप्त रूप से वित्तपोषण उपाय के लिए निर्णय और समय-सीमा संबंधी विशिष्ट ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): सरकार, सरकारी खेतों, नर्सरियों और अन्य अनुमोदित/पंजीकृत स्रोतों के माध्यम से फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है, जहां रोपण सामग्री का उत्पादन किया जाता है और किसानों को इन सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है।

नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी) की योजनाओं के तहत, गुणवत्तापूर्ण पौध के उत्पादन और वितरण के माध्यम से नारियल की खेती में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री को बढ़ावा दिया जाता है। इस

योजना के अंतर्गत, पिछले 3 वर्षों में नारियल प्रदर्शन सह बीज उत्पादन खेतों में कुल 1.67 लाख पौध का उत्पादन किया गया है और राज्य विभागीय नर्सरियों, एसएयू/पीएसयू/केवीके की नर्सरियों और नारियल विकास बोर्ड के डीएसपी फार्मों में 1.57 लाख गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री विकसित की गई है। चालू वर्ष 2026-27 के दौरान, कर्नाटक में 1.69 लाख पौधारोपण के उत्पादन के लिए इस योजना के अंतर्गत कुल 33.8 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत, पिछले 3 वर्षों में 7 छोटी नारियल नर्सरियों की स्थापना के लिए 10.91 लाख रुपये का उपयोग किया गया है, जिनमें से 1 नर्सरी दक्षिण कन्नड़ में स्थापित की गई है, जिसकी क्षमता 6250 नारियल पौधारोपण की है।

इसके अतिरिक्त, आईसीएआर-सीपीसीआरआई द्वारा उन्नत किस्मों और हाइब्रिड के गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन तथा आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए सरकारी संगठनों और कुछ निजी नर्सरियों को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। अब तक, नारियल की 12 किस्में, सुपारी की 6 किस्में और कोको की 1 किस्म को लाइसेंस प्रदान किया जा चुका है।
कर्नाटक राज्य के विभागीय फार्मों में वर्ष 2026-27 के दौरान उपलब्ध नारियल, सुपारी, काजू, कोको, रबर, इलायची और काली मिर्च की रोपण सामग्री का जिलावार विवरण **अनुबंध I** में दर्शाया गया है।

(ख): उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री के उपयोग से सुपारी और नारियल उत्पादकों के बीच फसल क्षेत्र का विस्तार, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि तथा वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में तेजी आई है। कवर किए गए क्षेत्र, लाभान्वित किसानों की संख्या, उपयोग की गई धनराशि, स्थापित अवसंरचना और सुविधाएं, तथा नारियल, सुपारी, काजू, कोको, रबर, इलायची और काली मिर्च के लिए आयोजित प्रदर्शनों का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग): कर्नाटक में, अधिकतम 2 हेक्टेयर तक प्रति लाभार्थी प्रति हेक्टेयर 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम)/एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) घटक के तहत रोग प्रबंधन उपायों के लिए प्रदान की जा रही है जिसका उद्देश्य सुपारी के पत्तों पर धब्बे के रोग को कम करना है। विभिन्न घटकों के लागत मानदंडों के साथ विस्तृत एमआईडीएच प्रचालन दिशानिर्देश एमआईडीएच वेब पोर्टल www.midh.gov.in पर उपलब्ध हैं।

विभागीय क्षेत्र कार्यकर्ताओं के माध्यम से किसान जागरूकता कार्यक्रम, क्षेत्र भ्रमण, प्रदर्शन, किसान प्रशिक्षण और रोग प्रबंधन के लिए अनुशंसित उपायों का प्रसार जैसी विस्तार गतिविधियां

संचालित की जाती हैं। पिछले तीन वर्षों में विभाग द्वारा कुल 101 विस्तार गतिविधियां और प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, विभागीय और संबंधित तकनीकी संस्थानों जैसे केंद्रीय बागान फसल अनुसंधान संस्थान (सीपीसीआरआई), कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय के माध्यम से निदान और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही, आईसीएआर-केंद्रीय बागान फसल अनुसंधान संस्थान (सीपीसीआरआई) सतत बागान फसल विकास के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, विस्तार और क्षमता निर्माण कार्य कर रहा है। आईसीएआर-सीपीसीआरआई लगभग 1 लाख नारियल, 2 लाख सुपारी और 5 लाख कोको के पौधे तैयार करता है। इसके अतिरिक्त, किसानों को लगभग 5 लाख सुपारी और 15,000 कोको के बीज वितरित किए गए हैं। संस्थान इन पौधों को कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात और पूर्वोत्तर राज्यों में वितरित करता है, जहां बागान फसलें उगाई जाती हैं। पिछले तीन वर्षों में, कर्नाटक के किसानों को 2,30,000 नारियल के पौधे, 5,30,000 सुपारी के पौधे और 1,34,282 कोको के पौधे/ग्राफ्ट उपलब्ध कराए गए हैं।

(घ): सरकार देश में बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) नामक केंद्रीय प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन कर रही है। एमआईडीएच के अंतर्गत, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त वार्षिक कार्य योजनाओं (एएपी) के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है। ये एएपी, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उनकी मूल्यांकित आवश्यकताओं, मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार तैयार की जाती हैं। वर्ष 2026-27 के दौरान, बागवानी विकास से संबंधित गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एमआईडीएच के अंतर्गत राज्य को 90.00 करोड़ रुपये (भारत सरकार का हिस्सा) आवंटित किए गए हैं।

अनुबंध I

वर्ष 2026-27 के दौरान कर्नाटक राज्य के विभागीय फार्मों में उपलब्ध फसलों की रोपण सामग्री का जिला-वार विवरण निम्नानुसार है:

जिले का नाम	बागवानी फसलों के लिए रोपण सामग्री की उपलब्धता (संख्या)							
	नारियल	सुपारी	काजू	कोको	रबड़	इलायची	काली मिर्च	अन्य बागान फसलें
चिक्कमगलूर	29342	43898	-	-	-	7000	33681	-
चित्रदुर्ग	-	15000	-	-	-	-	-	-
डी. कन्नड़	-	32538	-	16285	-	-	52787	-
दावनगेरे	48000	243500	-	2000	-	-	15000	-
गडाग	6604	-	-	-	-	-	-	-
हसन	43144	38590	-	-	-	-	160000	-
कोडागू	-	-	-	-	-	-	11,40,000 कटिंग	-
कोलार	2315	-	-	-	-	-	-	-
मंड्या	2000	142088	-	-	-	-	-	-
मैसूर	-	30729	-	-	-	-	5000	-
रामनगर	41737	66442	-	-	-	-	9000	-
शिवमोगा	-	10000	-	3800	-	8000	23000	10000
तुमकुर	-	73867	-	-	-	2000	-	-
उडुपी	1180	41917	-	1005	-	-	40251	1010
यू. कन्नड़	12016	164671	49461	-	-	13893	207693	51179
विजयपुरा	18000	-	-	-	-	-	-	-
विजयनगर	13268	-	-	-	-	-	-	-

अनुबंध II

कवर किए गए क्षेत्र, लाभान्वित किसानों की संख्या, उपयोग की गई धनराशि, स्थापित अवसंरचना तथा सुविधाएं, तथा आयोजित प्रदर्शनों का विवरण निम्नलिखित है:

जिलों का नाम	आयोजित किए गए प्रदर्शन	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	लाभान्वित किसान	उपयोग की गई धनराशि (लाख रुपये में)	निर्मित सुविधाओं की संख्या
बागलकोट	-	896.83	618	250.07	618
बेलगावी	-	52.24	59	12.97	59
चामराजनगर	-	24.41	46	1.87	46
चिक्कबल्लपुर	-	73.18	101	48.25	101
चित्रदुर्ग	28	1312.75	1894	119.1	1894
दक्षिणा कन्नड़	55	184.2	437	36.84	437
दावनगेरे	-	2508.4	4194	1461.21	4194
गडाग	-	332.2	570	257.395	570
हसन	92	27134.48	48288	11610.01	48288
हावेरी	-	5835.55	4504	3504.55	4504
कोडागू	6	3329.12	5220	1377.91	5220
कोलार	-	234.4	306	192.9	306
मंड्या	-	11292.64	18575	1958.83	18575
मैसूर	-	2896.13	4463	506.92	4463
रामनगर	22	6520	9383	1141.24	9383
शिवमोगा	-	1474.31	3399	2027.64	3399
तुमकुर	-	3713.2	5438	2242.16	5438
उडुपी	-	3713.01	7315	1049.17	7315
यादगिरी	-	195.17	76	56.59	76
कुल	**203**	**71722.22**	**114886**	**27855.625**	**114886**

****